गायन/स्वरवाद्य पाठ्यक्रम
एम. ए. प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत का इतिहास

स्मय– 3 घण्टे पूर्णांक– 100

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मान्यताओं , भारतीय एवं पाश्चात्य मतों का परिचय। प्राग्वैदिक, वैदिक, शिक्षा, पौराणिक, रामायण, महाभारत, मौर्य व गुप्त काल के भारतीय संगीत का परिचय।
2. भरतकृत नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी। वृहद्देशी, संगीतरत्नाकर एवं संगीतराज ग्रंथों का परिचय। भारतीय संगीत की दो
धाराओं गांधर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का अध्ययन। जाति की परिभाषा, लक्षण तथा भेद। ग्राम राग (पंचगीति) और देशी राग वर्गीकरण का अध्ययन।
3. ग्राम एवं मूर्छना की परिभाषा तथा उनके प्रकार। ग्राम की लोपविधि के आधार पर बनने वाली 84 शुद्ध तानों का ज्ञान। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट में मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति। स्वर–प्रस्तार, खण्डमेरू, नष्ट एवं उद्दिष्ट विधि का अध्ययन।
4. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन व वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। मध्यकालीन ग्रन्थों के आधार पर एकतंत्री, आलापनी, किन्नरी, त्रितन्त्री, पिनाकी, वंश एवं मधुकरी वाद्यों का अध्ययन।

Scanned by CamScanner

5. इब्राहिम आदिलशाह (द्वितीय), कृष्णानन्द व्यास, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, राजा नवाबअली, पं. रामचतुर मलिक, उस्ताद जिया मोईनुद्दीन डागर, उस्ताद बहराम खॉ, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. भीमसेन जोशी, संत पुरंदर दास, संत त्यागराज, श्यामा शास्त्री, मुत्तु स्वामी दीक्षितर का सांगीतिक योगदान।

द्वितीय प्रश्न पत्र

निबंध, सांगीतिक रचना एवं राग विवरण

समय– 3 घण्टे पूर्णांक– 100

1. न्यूनतम 600 शब्दों में संगीत विषयक निबंध। अंक–25

2. दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
अंक– 20

3. पाठ्यक्रम के रागों में उच्चस्तरीय आलाप लेखन।
अंक– 10

4. तान एवं तिहाई रचना। (विभिन्न तालों में विभिन्न मात्राओं से भिन्न–भिन्न प्रकार की तान एवं तिहाई बनाकर स्वर ताल में निबद्ध करना) अंक– 15

5. निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन– अंक– 30

1. पूरिया कल्याण 2. अहीर भैरव 3. मारूबिहाग 4. बिलासखानी 5. जोग 6. देसी 7. बसन्तमुखारी 8. श्री तोडी 9. शुद्धकल्याण 10. श्यामकल्याण 11. भूपालतोड़ी 12. झिंझोटी 13. नन्द 14. सोहनी 15. बैरागी (भैरव) 16. गुर्जरीतोड़ी 17. शंकरा 18. कलावती 19. हन्सध्वनि।

Scanned by CamScanner

राग खमाज, भैरवी, पहाड़ी अथवा शिवरंजनी में से किसी एक राग में ठुमरी या टप्पा।

टीप– कुल 20 राग है।

तृतीय प्रश्न पत्र

संगीत शास्त्र के कियात्मक सिद्धांत

समय– 3 घण्टे पूर्णांक– 100

1. रागांग वर्गीकरण का परिचय। कल्याण, भैरव, तोड़ी रागांगों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन। पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्ट हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्व साधारण नियम।
2. घराने का अर्थ एवं महत्व। ख्याल गायन के दिल्ली, ग्वालियर तथा पटियाला घरानों की जानकारी। तानसेन और उनके वंशजों की शिष्य परम्परा की जानकारी। सेनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय। बीन (रूद्रवीणा) का रामपुर घराना, इमदादखानी सितार एवं सुरबहार का घराना एवं हाफिज अली के सरोद घरानों का अध्ययन। प्रमुख शहनाई वादकों का परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
3. काकु , कुतप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय। सरोद, संतूर, विचित्र वीणा, तानपूरा, बेला (वायलिन) इसराज, दिलरूबा, बांसुरी वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।
4. विभिन्न प्रकार की बन्दिशों एवं गतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन। काव्य और संगीत तथा छन्द और ताल का संबंध।
5. भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कंठ संस्कार की विधि। स्वरोत्पादक यंत्र का सामान्य परिचय। श्वसन क्रिया, कंठ विकार के कारण एवं निदान।

Scanned by CamScanner

एम. ए. प्रथम वर्ष

प्रायोगिक मौखिक

पूर्णांक– 300

1. निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन–

अ – निम्नलिखित 8 रागों में एक बड़ा ख्याल या विलम्बित रचना (गत) तथा एक छोटा ख्याल या मध्यलय की रचना (गत) का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रदर्शन–

1. पूरिया कल्याण 2. अहीर भैरव 3. मारूबिहाग 4.बिलासखानी तोड़ी 5. जोग 6. देसी 7. बसन्तमुखारी 8. श्री ।

ब – निम्नलिखित रागों का सामान्य परिचय एवं मध्यलय की रचना का आलाप तान/तोड़ों सहित प्रदर्शन–

1. शुद्धकल्याण 2. श्यामकल्याण 3. बैरागी (भैरव) 4. गुर्जरी तोड़ी 5. भूपालतोड़ी, 6. झिंझोटी 7. नन्द 8. सोहनी 9. शंकरा 10. कलावती 11. हन्सध्वनि।

स – राग खमाज, भैरवी, पहाड़ी अथवा शिवरंजनी में से किसी एक राग में ठुमरी या टप्पा का गायन। वाद्य के विद्यार्थी द्वारा इन रागों में से किसी एक राग में ठुमरी शैली की बन्दिश अथवा धुन का प्रदर्शन। टीप – कुल 20 राग हैं।

2. उपर्युक्त रागों में से पृथक–पृथक रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (उपज सहित) एक तराने एवं एक त्रिवट/चतुरंग का विस्तृत गायकी सहित प्रदर्शन अथवा अपने वाद्य पर तीनताल से पृथक अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप – तान सहित वादन।

(ध्रुपद के विद्यार्थियों के लिए)

Scanned by CamScanner

अ – मौखिक परीक्षा के खण्ड अ के 8 रागों में ध्रुपद/धमार का (विलम्बित एवं मध्यलय की रचनाओं का) विस्तृत गायकी सहित प्रदर्शन।

ब– इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम के खण्ड ब के 11 रागों में ध्रुपद/धमार शैली की मध्यलय की बंदिशों का (गायकी सहित) प्रदर्शन।
(कुछ बन्दिशें सूलताल, तीव्रा, आड़ाचौताल अथवा झपताल में प्रस्तुत करना आवश्यक है।)

स– पाठ्यक्रम के किसी भी राग में एक विलंबित ख्याल, एक द्रुत ख्याल, एक तराना, एक चतुरंग एवं एक त्रिवट का गायकी सहित प्रदर्शन।

एम. ए. प्रथम वर्ष,
प्रायोगिक मंच प्रदर्शन

समय– 1 घण्टा पूर्णांक– 150

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 30 मिनट में विलंबित एवं मध्यलय की रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन। (ध्रुपद के परीक्षार्थी ध्रुपद/धमार प्रस्तुत करेंगे।)
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी, टप्पा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

(ध्रुपद के विद्यार्थी सूलताल, तीव्रा, आड़ाचौताल अथवा झपताल में बंदिश प्रस्तुत करेंगे।)

Scanned by CamScanner